

religious principles when enforced by the State?

**Mr. Speaker:** Shri Banerjee.

**Shri S. M. Banerjee:** Has it been brought to the notice of the hon. Minister that in rich families without birth control there are no issues whereas in poor families, they are flooded with issues. What is the reason for this phenomenon?

**Shri Hem Barua:** I can quote from Bertrand Russel in this connection.

**Mr. Speaker:** Fecundity varies in inverse proportion with nutritions. That is an economic law.

**श्री जगदेव सिंह सिद्धांती :** परिवार नियोजन कार्यक्रम में ब्रह्मचर्य प्रणाली से जीवन व्यतीत करने के लाभ का भी प्रचार किया जाता है या नहीं ?

**डा० सुशीला नायर :** जी हाँ, जरूर किया जाता है ।

**श्री रा० स० तिवारी :** मैं परिवार नियोजन सम्बन्ध में कहना चाहता हूँ कि एक कम्प्यूनिटी इसका विरोध करती है, दूसरी कम्प्यूनिटी इस को मानती है तो जो कम्प्यूनिटी इस का विरोध करती है उस की सन्तानें बढ़ती रहेंगी और जो मानती है उन की पापुलेशन कम हो जायेगी । इस के लिये क्या सोचा जा रहा है ।

**डा० सुशीला नायर :** जो कुटुम्ब या कम्प्यूनिटी इस बारे में असावधान रहेगी उन का जीवन स्तर ऊँचा नहीं जायेगा ।

**परिवार नियोजन योजनाओं का विरोध**

\*१०७१. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में सरकार की परिवार नियोजन योजनाओं के विरोध में कुछ व्यक्ति अथवा संगठन आन्दोलन कर रहे हैं ;

(ख) क्या सरकार को इस सम्बन्ध में पत्र मिले हैं ;

(ग) यदि हाँ, तो सरकार की नीति का विरोध करने वालों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ; और .

(घ) यदि अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है तो इसके क्या कारण हैं ?

**स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) :**

(क) जी नहीं ; इस समय परिवार नियोजन योजनाओं के विरोध में कोई संगठित आन्दोलन नहीं है तथापि कुछ व्यक्तियों ने समय समय पर परिवार नियोजन के विरुद्ध विचार व्यक्त किये हैं ।

(ख) कुछ व्यक्तियों से इस बारे में आपत्तियाँ आई हैं ।

(ग) श्री (घ). परिवार नियोजन के पक्ष या विपक्ष में विचार प्रकट करना कोई ऐसा काम नहीं है जिस पर परिवार नियोजन के पक्ष में जनमत जागृत करने के अलावा कोई और कार्यवाही की जाये ।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** अभी मंत्री जी ने बतलाया कि कुछ व्यक्ति इस प्रकार के हैं जो परिवार नियोजन के विपक्ष में कार्य कर रहे हैं । कुछ दिन पूर्व गृह मंत्री जी ने इस प्रकार का वक्तव्य देते हुए एक संसद् सदस्य की चर्चा की थी जो यह कहते हैं कि यह उन के धर्म के विपरीत है । जब एक और सरकार करोड़ों रुपये इस के ऊपर व्यय कर रही है और दूसरी ओर लोग इस के विपरीत बोल रहे हैं तो क्या मैं जान सकता हूँ कि कोई मध्य का मार्ग निकालने का यत्न किया जा रहा है ।

**डा० सुशीला नायर :** जनमत को इस कार्यक्रम को स्वीकार करने के लिये तैयार किया

जा रहा है। अगर हमारा प्रचार ज्यादा शक्तिशाली होगा तो विरोधियों के प्रचार का असर नहीं होगा।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार को इस प्रकार को कोई जानकारी मिली है कि इस देश में एक धर्म विशेष इस प्रकार का है जिस ने यह आन्दोलन आरम्भ किया है कि परिवार नियोजन उन के धर्म के विपरीत है, और इस आधार पर उन के धार्मिक स्थानों में इस सम्बन्ध में भाषण दिये जाते हैं। सरकार इस सम्बन्ध में क्या कर रही है।

**डा० सुशीला नायर :** सिवा कैथोलिक धर्म के और कोई धर्म धर्म के रूप में इस कार्यक्रम का विरोध करता हो ऐसा नहीं। न इस देश में और न इस देश के बाहर।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** मस्जिदों में जगह जगह पर भाषण दिये जाते हैं।

**श्री रामसेवक यादव :** मैं जानना चाहूँगा कि अब तक परिवार नियोजन के सम्बन्ध में उठाये गये कदमों का, जैसे स्टेरिलाइजेशन आदि का, क्या प्रभाव हुआ है और इस में क्या कोई सफलता मिली है।

**डा० सुशीला नायर :** मैं ने अर्ज किया पिछले सवाल के जबाब में कि शुरुआत में इसके दुर्क आपरेशन जगह जगह पर होते थे लेकिन आज हजारों की तादाद में होते हैं और लाखों तक उन की संख्या पहुँच चुकी है।

**श्री रामसेवक यादव :** प्रभाव क्या हुआ?

**अध्यक्ष महोदय :** असर के लिए तो इन्ति-जार करना पड़ेगा।

**Shri P. N. Kayal :** When the Muslim law which is against family planning is allowed to continue in this country, may I know how family planning can be successful so far as this particular community is concerned?

**Dr. Sushila Nayar :** We work for the health of the people of India and not for Muslims, Hindus, Sikhs and Christians separately.

**Shri P. N. Kayal :** The Muslim marriage law is there.

**श्री यशपाल सिंह :** क्या माननीय मंत्री जी का ध्यान इस ओर गया है कि विश्व बन्ध महात्मा गांधी जो ने आपरेशन के लिए परिवार नियोजन को महा पाप बतलाया था और कहा था कि इस से बड़ा कोई पाप नहीं है? यदि इधर ध्यान गया है तो महात्मा गांधी जी की आत्मा स्वर्ग में बैठी हुई माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी को क्या कह रही होगी?

**अध्यक्ष महोदय :** स्वर्ग को बातें तो आप बतला सकते हैं। मिनिस्टर से इस बारे में क्या इनफारमेशन प्राप्त कर सकते हैं। स्वर्ग की बात वह कैसे बतला सकते हैं?

**Shri Kapur Singh :** Have the Government studied the reports recently made by the investigation projects undertaken in West Germany into the sterilizations made in accordance with Nuremburg Laws under Hitler's regime and the terrible psychological effects found consequential upon sterilization?

**Dr. Sushila Nayar :** I do not know what the effects of Hitler's methods were. Hitler's methods were motivated by certain ideologies and they were carried out in a certain setting. So far as India is concerned, we have made very careful studies of the physical, emotional and psychological effects, and we have not come across any bad effects of sterilisation.

**श्री कछवाय :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि जब से यह योजना आरम्भ हुई है तब से इस पर कितना खर्च हुआ है, और प्रतिवर्ष कितना खर्चा होता है, और क्या सरकार को यह भी शिकायत मिली है कि देहात के लोग इस योजना से डरते हैं?

**डा० सुशीला नायर :** यह शिकायत तो नहीं मिली है कि गाँव के लोग इस से डरते हैं।

श्रीर खचें के बारे में मैं ने शुरू में अज्ञ किया था कि इस वकत मेरे पास फिगर मौजूद नहीं है । अगर माननीय सदस्य उन के लिये मुझे पत्र लिखेंगे तो मैं उन को फिगर दे दूंगी ।

**श्री विभूति मिश्र :** कुछ डाक्टरों की राय है कि नपुंसक बनाने से मनप्योचित ताकत कमजोर पड़ जाती है । क्या सरकार ने इस बारे में पता लगाया है ?

**अध्यक्ष महोदय :** आप अपने डाक्टर को कन्सल्ट कर लीजिये ।

**श्री विभूति मिश्र :** सरकार बताए कि उस ने इस बात का पता लगाया है या नहीं ।

**अध्यक्ष महोदय :** जिस डाक्टर पर आप को ऐतबार हो उसको कंसल्ट कर लीजिए ।

**श्री विभूति मिश्र :** सरकार क क्या खयाल है ?

**Shri A. P. Jain:** May I know what important researches have so far been made in mechanical contraceptives and oral contraceptives?

**Dr. Sushila Nayar:** A good deal of has been done in the field of oral contraceptives as well as some kind of mechanical devices for contraceptive purposes. So far as oral contraceptives are concerned, they have been found to be quite effective, but there are two snags so far as the mass application in India is concerned. Firstly,—

**Shri A. P. Jain:** I want to know the particulars of the research, and not all these details.

**Dr. Sushila Nayar:** The research has shown that they are effective, but some cases of thrombophlebitis of the legs have been noticed as a result of these oral contraceptives.

**Shri Hem Barua:** May I know if it is a fact that family planning programmes have not succeeded very much so far as the working class people are concerned and, if so, may I know

what are the reactions of the hon. Minister to what Bertrand Russell has said, namely, that these programmes have not succeeded with these people simply because of the fact that sex is the only pleasure of these economically unfortunate people?

**Mr. Speaker:** Whether it has not succeeded among the working class people.

**Dr. Sushila Nayar:** That is not correct, Sir.

**Shrimati Savitri Nigam:** May I know whether it is a fact that only where there is demoralisation prevailing among the untutored masses, there is a little opposition to the family planning schemes and, if the answer is in the affirmative, may I know what methods are being adopted to popularise it and educate these untutored and uneducated masses?

**Dr. Sushila Nayar:** I would request the hon. Member to read the reports that have been issued by the Health Ministry from time to time; considerable work is being done to educate the masses.

**Shri Hem Barua:** She has not answered my question, Sir.

**Mr. Speaker:** Shri D. C. Sharma.

**Shri D. C. Sharma:** May I know if the Health Minister has any statistics to prove which profession is most prolific so far as birth is concerned, and whether any particular attention has been paid to that profession so that the family planning programmes begin at the right level?

**Dr. Sushila Nayar:** There is no particular profession but the fact is that among the poorer classes there is a higher birth rate for the simple reason that as the standard of life goes up people are interested in improving their standard of life by minimising the size of their families.

**Regarding Starred Question No 1072**

**Shri Harish Chandra Mathur:** Q. No. 1072. As you know, Sir, this question is intended for the Prime Minister. I would welcome the Minis-